



उच्च रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग : डॉ. विनय मिश्रा

स्वतंत्र भारत संसददाता, लखनऊ। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और

उच्च रक्तचाप की रोकथाम व देखभाल पर कार्यशाला

मजबूत करना समय की मांग है। उच्च रक्तचाप को भारत में शीघ्र सल्टेड किस्म में से एक माना जाता है। उच्च रक्तचाप के इस विनाशकारी प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की इलिया रिपोर्ट से पता चलता है, कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से



केवल 37 प्रतिशत का पता चलता है और 30 फीसद उपचार प्राप्त कर रहे हैं। उच्च जन्मदर वाले कॉन्जुमर गिल्ड द्वारा कॉन्जुमर वॉयस, नई दिल्ली को साझेदारी में गैर संचारी रोग के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल विषय पर आयोजित कार्यशाला में था। भारत में गैर संचारी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, हालांकि इनमें अज्ञात हृदयघातक परामर्शों में उच्च रक्तचाप को रोकने और इलाज करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। जो समय से पहले मौत और रुग्णता के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अतिथि डॉ. विनय मिश्रा उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी

लखनऊ और सतीश त्रिपाठी राज्य सलाहकार गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डॉ. अभिनव केडिया स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डॉ. रजनी गंधा क्लरमपुर अस्पताल और निलांजना बोस प्रोजेक्ट लीड कॉन्जुमर वॉयस नई दिल्ली मौजूद थीं। इस मौके पर विशेषज्ञों ने उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की। विषय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनियंत्रित उच्च रक्तचाप कई जटिलताओं को जन्म दे सकता है और इसलिए शीघ्र पता लगाने और बेहतर नियंत्रण से हमारे राज्य और

देश को उच्च रक्तचाप के कारण होने वाली रुग्णता और मौतों से बचाने में मदद मिल सकती है। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलोअप महत्वपूर्ण है। डॉ. विनय मिश्रा, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पहचान करने में मदद मिली है, जहां जागरूकता के निम्न स्तर के साथ उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की व्यापकता अधिक है। स्क्रीनिंग प्रक्रिया को मजबूत करना और आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से शामिल करना महत्वपूर्ण है। नोडल अधिकारी डॉ. सतीश त्रिपाठी ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया, जिससे सैकड़ों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

समावेशन पर

Clip 2

उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करना समय की मांग

विनय मिश्रा, डॉ. सुशील आलम लखनऊ संसददाता। उच्च रक्तचाप को भारत में शीघ्र सल्टेड किस्म में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) लोगों से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की इलिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37 प्रतिशत का पता चलता है और 30 प्रतिशत उपचार प्राप्त कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में कॉन्जुमर गिल्ड द्वारा कॉन्जुमर वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में 23 अक्टूबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर विनय मिश्रा, उप मुख् चिकित्सा



अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डॉ. अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन डॉक्टर रजनी गंधा, क्लरमपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कॉन्जुमर वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित थीं। जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों को गरिमायुक्त उपस्थिति देनी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को

कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलोअप महत्वपूर्ण है, डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डॉक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिषद स्वास्थ्य संशोधन-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में पहिलेसर्चों में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के निदान और उपचार की और ध्यान आकर्षित करता है।

एनएफएस-5 डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. अभिनव केडिया बताते हैं, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत को अग्रणी प्राथमिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल टकाओं को निर्बंधन आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं इसी भावना को धरते हुए, एनसीडी बोर्ड को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जो गई

कॉन्जुमर गिल्ड के आंधेपक शोभासव ने एनसीडी दरों को कम करने के लिए जीवनशैली में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बारे में बात करते हुए कि समय पर इलाज रोगियों को स्ट्रेक और अंग क्षति जैसी गंभीर उच्च रक्तचाप की समस्याओं से कैसे बचा सकता है, सभी लोगों को समय पर अपना बीपी/ओएनएस चेक करवाना चाहिए, सभी सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क चिकित्सा संबंधी परामर्श, दवा, उपलब्ध कराई जाती है। सामान तौर पर सामान्य जीवन में साधारण बीपी/ओ 120-80 होना चाहिए, अगर किसी का बीपी/ओ का ट्रेटमेंट ले रहे हैं तो जब तक डॉक्टर न कहे दवा अवश्य लेते रहें। सरकारी अस्पतालों पर इलाज-केंद्र उपलब्ध है, वहां पर कार्डिोलॉजिस्ट होती है, हर परिवार को इस हाईपरटेंशन मुद्दे पर संवेदनशील होना चाहिए, कार्य के दौरान 4-5 मिनट का ब्रेक लेना या अल्प विराम अवश्य चाहिए, जिससे सभी को बीपी/ओ को समझना न हो।



Clip 3



Clip 4

बीपी नियंत्रित होने पर भी बगैर परामर्श न छोड़ें दवा

लखनऊ। डिप्टी सीएमओ डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि खराब लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। बीपी बढ़ने पर लोगों को शुरुआत में पता नहीं चलता। यही वजह है कि इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। वे शनिवार को गौमतीनगर के एक होटल में कज्युअर गिल्ड की ओर से गैर संचारी रोग, उच्च रक्तचाप की रोकथाम व देखभाल विषय पर हुई कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा हर व्यक्ति को साल में एक बार ब्लड प्रेशर की जांच करानी चाहिए, ताकि बीमारी को समय पर पहचान हो सके। डॉ. मिश्रा ने बताया कि शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में बीपी की जांच संग इलाज की व्यवस्था है। लोग स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना ब्लड प्रेशर चेक कराते हैं। जांच रिपोर्ट सामान्य न हो तो डॉक्टरों सेलाह पर इलाज कराएं। (आई सिटी रिपोर्टर)

Clip 5



उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग, स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37% का पता चला है और 30% उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

इसी पृष्ठभूमि में कञ्जूरम गिल्ड द्वारा कञ्जूरम वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में आज एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य



अतिथि के रूप में डॉक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार, गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डॉक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डॉक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कञ्जूरम वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहे।

जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली

में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है, डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डॉक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया।

Clip 6

उक्त रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

⇒ उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करना समय की मांग है

रणजीत सिंह ब्यूरो लखनऊ। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष साइलेंट किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत है, उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इलाज किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से केवल 37 प्रतिशत का पता चला है और 30 प्रतिशत उपचार प्राप्त कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में कञ्जूरम गिल्ड द्वारा कञ्जूरम वॉयस, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य



चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार (एनसीडी) गैर संचारी रोग, तम्बाकू नियंत्रण, डॉक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डॉक्टर रजनी गंधा, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कञ्जूरम वॉयस नई दिल्ली, उपस्थित रहे। जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की गरिमामय उपस्थिति देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण

कारकों पर चर्चा की गई। यह स्वीकार करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण है।

डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नियमित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता दी गई है और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली है। नोडल अधिकारी डॉक्टर सतीश त्रिपाठी, ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में

महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के नियंत्रण और उपचार की ओर ध्यान आकर्षित करता है। एनएफएचएस-5 डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ.

अभिनव केडिया बताते हैं, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत की अग्रणी प्राथमिक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बंध आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं इसी भावना को व्यक्त करते हुए, एनसीडी बोझ को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, निलांजना बोस, प्रोजेक्ट लीड, कञ्जूरम वॉयस नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के खिलाफ लड़ाई प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर

शुरू होनी चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने से न केवल मृत्यु दर में कमी आएगी बल्कि माध्यमिक और तृतीय देखभाल की आवश्यकता और इससे संबंधित लागत में भी काफी कमी आएगी। डॉक्टर रजनी गंधा ने कहा (एनसीडी) में भारी वृद्धि लोगों की जीवनशैली जैसे आहार, शारीरिक गतिविधि, तनाव के स्तर आदि के कारण बढ़ रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, कञ्जूरम गिल्ड के अभिनेक श्रीवास्तव ने एनसीडी दूर को कम करने के लिए जीवनशैली में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बारे में बात करते हुए कि समय पर हस्तक्षेप रोगियों को स्ट्रोक और अंग क्षति जैसी गंभीर उच्च रक्तचाप की समस्याओं से कैसे बचा सकता है, सभी लोगों को समय समय पर अपना बीपी/सी/एच अवश्य चेक करवाना चाहिए, सभी सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर नि:शुल्क चिकित्सा संबंधी परामर्श, दवा, उपलब्ध कराई जाती है।

Clip 7



देश भर में अग्र विद्यार्थियों का विशेषज्ञों 'थॉट'। श्री विवेकी ने 'मध्य' लोक 'मिडविल' पर अपना ज्ञानदान किया 'बेगदा' अर्थात् उद्विग्न हो। फिर गए।

उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच में सुधार के लिए उम्र में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करना समय की मांग

उच्च रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

संश्लेषण प्रकाश मुरी

संक्षेप। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष स्वास्थ्य किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत हैं। उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इसका प्रबंधन किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिसमें से केवल 37% का पता चल है और 30% उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

इस पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉचमैन, नई दिल्ली के साथ सहयोग में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की

रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण वित्तीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ, सरील विपार्टी, राज्य स्वास्थ्य विभाग, उच्च रक्तचाप, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन, डाक्टर रजनी गंधा, कलामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना खोस, प्रोनेकट लीड, कन्ज्यूमर वॉचमैन नई दिल्ली, उद्विग्न रहें।

जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की परिचयन उपलब्धता देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह अवसर करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और



फॉलो-अप महत्वपूर्ण हैं, डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता देना चाहिए और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पहचान करने में मदद मिलती है।

नोडल अधिकारी डाक्टर सरील विपार्टी ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार, स्वास्थ्य एवं जनसंख्या-5 के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के

के प्रभावों का समर्थन करते हैं इसे ध्यान को लक्ष्य करते हुए, एनसीडी बोर्ड को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जोर पालन की सलाह करते हुए, निलांजना खोस, प्रोनेकट लीड, कन्ज्यूमर वॉचमैन नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के निवारण लक्ष्यों प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर शुरू होनी चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने से न केवल मूल्य पर में कमी आती बल्कि मासिक और तृतीय देखभाल को अपेक्षाकृत और इससे संबंधित लागत में भी कमी बनी आती।

डा. रजनीगंधा ने कहा (एनसीडी) में भारी वृद्धि लक्ष्यों की जीवनशैली जैसे आहार, शारीरिक गतिविधि, तनाव के स्तर आदि के कारण बढ़ रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, कंज्यूमर गिल्ड के अध्यक्ष श्रीवास्तव ने एनसीडी रोगों को कम करने के लिए जीवनशैली में संशोधन को आवश्यकता पर जोर दिया। इस बारे में

कहा करते हुए कि समय पर इलाज शुरू करने से रोगों को रोकने और अंग क्षति जैसे गंभीर उच्च रक्तचाप की समस्याओं से बचने में मदद करता है, सभी लोगों को समय पर अपने चिकित्सकीय स्वास्थ्य चेक कराता चाहिए, सभी सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर नि:शुल्क चिकित्सा संस्कीर्षण परामर्श, परामर्श, उपलब्ध कराई जाती है। सामान्य तौर पर सामान्य जीवन में स्वास्थ्य चेक 120-80 रोगा चाहिए, अगर किसी का रोग का टीमेंट ले रहे हैं तो जब तक डाक्टर न कहे तक अवश्य लेते हैं।

संस्कृति अपनाने पर एनसीडीएस केन्द्र उपलब्ध है, जो पर माउडलिन होती है, हर परिवार को इस सहयोग प्राप्त होने पर संवेदनशील होना चाहिए, कार्य के दौरान 4-5 मिनट का ब्रेक लेना या अन्य विभिन्न अवसरों पर, जिसमें सभी भी चिकित्सकीय समस्या न हो।

Clip 8

यह मूल्य आदतों का संचयन हुआ। आउटप्लान जो ज्ञान पर रक्तचाप का न आउटप्लान। भारत में उच्चरक्तचाप आउटप्लान जो

उच्च रक्तचाप प्रबंधन समय की मांग

अवधानमा संवाददाता

स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम

लखनऊ। उच्च रक्तचाप को भारत में शीर्ष स्वास्थ्य किलर में से एक माना जाता है। भारत में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) तेजी से बढ़ रहे हैं, जो सभी मौतों का लगभग 63 प्रतिशत हैं। उच्च रक्तचाप के प्रभाव पर डब्ल्यूएचओ की हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर समय पर इसका पता चल जाए और इसका प्रबंधन किया जाए तो 2040 तक 46 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 188.3 मिलियन भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिसमें से केवल 37% का पता चल है और 30% उपचार प्राप्त कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में कंज्यूमर गिल्ड द्वारा कंज्यूमर वॉचमैन, नई दिल्ली के साथ सहयोग में 23 सितंबर, 2023 को लखनऊ में एनसीडी के बढ़ते बोझ और भारत में उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल पर एक महत्वपूर्ण वित्तीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डाक्टर विनय मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा

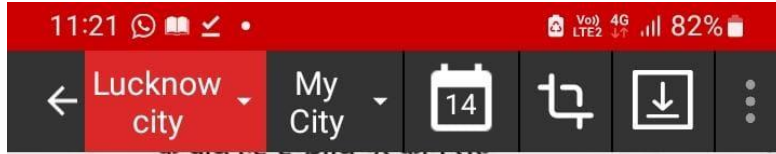


अधिकारी, लखनऊ, सरील विपार्टी, राज्य स्वास्थ्य विभाग, उच्च रक्तचाप, डाक्टर अभिनव केडिया, स्वास्थ्य अधिकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ, डाक्टर रजनी गंधा, कलामपुर अस्पताल लखनऊ, निलांजना खोस, प्रोनेकट लीड, कन्ज्यूमर वॉचमैन नई दिल्ली, उद्विग्न रहें। जैसे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की परिचयन उपलब्धता देखी गई, जिसमें उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और उपचार करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में संशोधन

करने जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा की गई। यह अवसर करते हुए कि राज्य में उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए स्क्रीनिंग और फॉलो-अप महत्वपूर्ण हैं, डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित स्क्रीनिंग को प्राथमिकता देना चाहिए और इससे हमें उन क्षेत्रों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को पहचान करने में मदद मिलती है। नोडल अधिकारी डाक्टर सरील विपार्टी ने भी उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने के महत्व पर जोर दिया। हाल के राष्ट्रीय परिवार, स्वास्थ्य एवं जनसंख्या-5 के अनुसार, शहरी

क्षेत्रों में महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार 20.9 प्रतिशत और पुरुषों में 24.8 प्रतिशत है। यह उच्च रक्तचाप के निदान और उपचार को और ध्यान आकर्षित करता है। एनएफएस-5 डेटा के आंकड़ों का हवाला देते हुए, डॉ. अभिनव केडिया बताते हैं, उच्च रक्तचाप से जुड़ी रम्यता और मूल्य दर को रोकने के लिए उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की जांच महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत की अग्रणी प्राथमिक देखभाल के माहत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बाध आपूर्ति और उपलब्धता के माध्यम से सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हैं इसी भावना को व्यक्त करते हुए, एनसीडी बोर्ड को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, निलांजना खोस, प्रोनेकट लीड, कन्ज्यूमर वॉचमैन नई दिल्ली ने बताया कि उच्च रक्तचाप के निवारण लक्ष्यों प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर शुरू होनी चाहिए।

Clip 9



आईएम इंदौर ने हो रहा है। मग्न विकास ध्यान टीम श्री। टीम ने गाय से जुड़े आईआईएम में सामान्य ली। योजना के कनकारी के लिए कारीगरों की जा रही है सभी लोग द्वारा इस

परियोजना से जुड़े उद्यमी तथा कारीगरों के साथ व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान भविष्य में किस प्रकार उन्हें अधिक से अधिक मात्रा में उत्कृष्ट उत्पादन, बेहतर मार्केटिंग, नये डिजाइन, पैटर्न तथा मूल्य संवर्धन का लाभ दिया जा सकता है, इस पर मंथन किया गया।

भ्रमण के दौरान सीएफसी के संचालक दल के साथ-साथ कारीगरों ने बताया कि सभी को लाभ मिल रहा है। इस क्षेत्र में अभी और अधिक संभावनाएं हैं। इनमें विशेष रूप से ऑनलाइन मार्केटिंग के क्षेत्र में उन्हें अधिक समर्थन की आवश्यकता है। व्यापारियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सहज पहुंच में सहयोग की बात कही।



कि सेनकोवर्स का लॉन्च हमारी लिए यह महत्वपूर्ण कदम है। निदेशों के तहत पर वर्चुअल शोरूम लॉन्च

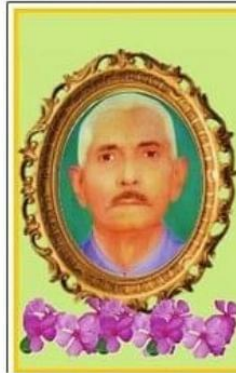
रोड टू मतसूरी कार्यक्रम लखनऊ (वि)। रोड टू मतसूरी फ्रीनिक्स पलासियो मॉल में शनिवार



में शामिल लोगों के मनोरंजन के लिए का लुत्फ उठाया। इसमें राजधानी सुजुकी का सराहनीय योगदान रह

कॉटन और सिल्क 100 स्टॉल लगाए

लखनऊ (वि)। कैसरबाग स्थित फेब-2023 प्रदर्शनी का शुक्रवार दानिश अंसारी ने उद्घाटन किया। 26 सितंबर 2023 तक चलेगी। आयोजक मानस आचार्य और जा बताया कि प्रदर्शनी में अलग-अलग ब्रांडल वियर, सिल्क व कॉटन व वेडशूट्स, भदोही की कालीन, ज



बीपी नियंत्रित होने पर भी बगैर परामर्श न छोड़ें दवा

लखनऊ। डिप्टी सीएमओ डॉ. विनय मिश्रा ने कहा कि खराब लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। बीपी बढ़ने पर लोगों को शुरुआत में पता नहीं चलता। यही वजह है कि इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। वे शनिवार को गोमतीनगर के एक होटल में कंज्यूमर गिल्ड की ओर से गैर संचारी रोग, उच्च रक्तचाप की रोकथाम व देखभाल विषय पर हुई कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा हर व्यक्ति को साल में एक बार ब्लड प्रेशर की जांच करानी चाहिए, ताकि बीमारी की समय पर पहचान हो सके। डॉ. मिश्रा ने बताया कि शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में बीपी की जांच संग इलाज की व्यवस्था है। लोग स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना ब्लड प्रेशर चेक कराते रहें। जांच रिपोर्ट सामान्य न हो तो डॉक्टरों सलाह पर इलाज कराएं। (माई सिटी रिपोर्टर)

Helpline

बूले-पतले (तड़फे/लड़कियाँ)
मोटे नहीं होते ज्यादा खायें
आयुर्वेदिक औषधि द्वारा खायें
या पचा कर 15 दिनों में फर्क
हसूस करें **सेहत व वजन बढ़ायें।**
टार्गेट 1 **9935056088**
लखनऊ

से
टकारा
More than **25 years**
of Excellence
ESTD. 1997
रा **स**
स लेंस के साथ
स लेंस के साथ
पुराने लखनऊ का एक
मात्र ऑप्टिकल अस्पताल
स्था उपलब्ध है
• **Dr. Tripti Bansal**
TERNITY CENTRE PVT. LTD.
ad, Chowk, Lucknow-226003
E-mail:- sumitraclinic@gmail.com
Web:- www.sumitraecmc.in

लिए सम्पर्क करें
8845785

Annexure 4: FOPL Social media

Consumer VOICE
@ConsumerVoiceIn

इस रक्षाबंधन रिश्ते में मिठास बढ़ाये खाने में नही, पैकेज्ड खाद्यपदार्थ पर फ्रंट ऑफ पैक लेबल का समर्थन करे, स्वस्थ रहे।
#FoodLabelsSaveLives #RakshaBandhan2023
@fssaiindia @MoHFW_INDIA @NITIAayog @WHO @IGPPVMF
[Translate post](#)



Nilanjana and 6 others
11:51 AM · Aug 31, 2023 · 249 Views

Consumer VOICE
@ConsumerVoiceIn

How can you get the most out of packaged foods? Urge the government to have a Front of Pack Warning Label on unhealthy packaged foods which are high in Fats, Salt and Sugar.
#FoodLabelsSaveLives #NationalNutritionWeek
@fssaiindia @MoHFW_INDIA @NITIAayog @WHO



Shweta Khandelwal and 3 others
5:20 PM · Sep 6, 2023 · 84 Views

post insights

भाई-बहन का रिश्ते में मिठास बढ़े पर खाने में नही, अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड खाद्य पर फ्रंट ऑफ पैक लेबल अवश्य हो...

Published by Voice ConsumerVoice · 31 August at 15:07

Post impressions	Post reach	Post engagement
64	60	4

Interactions

3 0 0 0 0 0

post insights

रिश्ता मीठा होना चाहिए, पैकेज्ड फूड नहीं!
#FoodLabelsSaveLives #RakshaBandhan2023 Food Safe...

Published by Voice ConsumerVoice · 31 August at 13:25

Post impressions	Post reach	Post engagement
52	51	3

Interactions

3 0 0 0 0 0